an>

Title: Regarding forest facilities to the people living in and around forests.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। मेरे लोक सभा क्षेत्र लखीमपुर खीरी में 25 प्रतिशत से अधिक भू-भाग में खैर, सागौन व साखू जैसी कीमती प्रजातियों के वन हैं, तथा मेरे लोक सभा क्षेत्र की आबादी का एक बड़ा हिस्सा या तो जंगलों के अंदर रहता है या जंगलों के आसपास रहता है। मेरा अनुरोध है कि उक्त क्षेत्र में रहने वाले लोगों का विकास वन विभाग के अधिकारियों के हस्तक्षेप के कारण नहीं हो पाता। उनके लिए सड़क, बिजली, अस्पताल, स्कूल और परिवहन की व्यवस्था की जाए। उक्त क्षेत्र में रहने वाले लोगों को वन क्षेत्र में पशुओं को चराने सहित खर, फूस व जलौनी लकड़ी लेने का अधिकार दिया जाए। लखीमपुर में जंगली जानवरों - हाथी, हिरन, नीलगाय द्वारा वन के आसपास के क्षेत्रों में फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया जाता है। उक्त क्षेत्र के किसानों को अपनी फसल की रक्षा करने के अधिकार के साथ ही जंगल में स्थित हिंसक पशुओं से, जो कभी-कभी बाहर आकर जानलेवा हमले कर देते हैं, उनसे रक्षा का अधिकार एवं फसल के नुकसान व जनहानि होने पर मुआवज़ा दिया जाए। जंगल के आसपास बहुत बड़ा क्षेत्र ऐसा है जो वन विभाग और किसानों के बीच का एक विवादित क्षेत्र है जिसमें खेती होती है, परन्तु वन विभाग के लोग उसे अपना क्षेत्र बताते हैं जिसके कारण कृषकों एवं वन विभाग में अक्सर विवाद होता रहता है तथा किसानों की खड़ी फसल जोतकर वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कर दिया जाता है। मेरा अनुरोध है कि उक्त स्थानों पर जहाँ वृक्ष नहीं हैं और भूमि खाली है और कृषि हो रही है, उक्त कृषि भूमि पर कब्ज़ेदार कृषकों को भूमिधरी का अधिकार देकर, विवाद को समाप्त करके कृषकों को आये दिन के विवादों से बचाया जाए।

चूँकि उक्त लोक सभा क्षेत्र लखीमपुर बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र है, वहाँ प्रति वर्ष बाढ़ के कारण बहुत सी कीमती लकड़ी के पेड़ बह जाते हैं। उसकी आड़ में वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा वन माफिया मिल कर जंगलों का बहुत दोहन करते हैं और अवैध कमाई करते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए यह अनुरोध करता हूं कि जंगलों को बाढ़ से भी बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।